• घर से...

दूर करें वास्तु दोष

सपनों के घर में कोई कमी न रहे, इसके लिए हम हर चीजों का ध्यान रखकर घर को तैयार करते हैं। लेकिन इसके बाद भी वास्तु दोष के कारण घर में नकारात्मक आ जाती है। ऐसे में आप अपने घर की कुछ चीजों को बदलकर इसे सही कर सकते हैं।

▶ घर बनाने का सपना हर कोई देखता है। इसी वजह से अपने अपनी पसंद का घर बनवाते हैं। कुछ लोग वास्तु का ध्यान रखकर हर चीज को लगवाते हैं, तो कुछ लोग वास्तु दोष की पूजा करके घर तैयार करते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। लेकिन कुछ समय बाद दोबारा स्थिति खराब होने लगती है। ऐसे में आपको घर तोड़कर इसे दोबारा बनवाना पड़ता है। इसकी वजह से पूरा घर पर खराब हो जाता है।

▶ वास्तु शास्त्र अगर खराब होता है, तो इसकी वजह से घर में नकारात्मकता रहती है। बनते हुए काम भी बिगड़ जाते हैं। लेकिन अगर आप कुछ ऐसी चीजों को अपने घर पर रखेंगी, जो आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाएगा, तो इससे आपको घर को तोड़कर दोबारा बनाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके लिए आप अपने घर में क्रिस्टल की माला या पत्थर को जरूर रखें। इससे नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव कम होता है। साथ ही, आपके घर के वास्तु दोष को भी कम करता है।

▶ वास्तु शास्त्र के अनुसार रसोई घर के दक्षिण-पूर्व दिशा में बल्ब जरूर लगाएं। इसके बाद ट्यूबलाइट की जगह पर अपने घर मे बल्ब को जलाएं। इससे आपके घर में सकारात्मकता आएगी। साथ ही, रसोई में बनने वाले खाने पॉजिटिविटी आएगी। इससे आपके रसोई घर का वास्तु भी सुधर जाएगा। साथ ही, आपको घर तोड़कर तैयार करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

▶ घर के वास्तु को सुधारने के लिए जरूरी है कि आप उन चीजों को घर में लगाएं। जिसे लगाने से आपके घर में सकारात्मकता आ सके। ऐसी ही एक चीज है घोड़े की नाल। घोड़े की नाल लगाने से आपके घर में किसी तरह की कोई भी नेगेटिव एनर्जी घर के अंदर नहीं आती है। साथ ही, आपके घर में हमेशा अच्छे कार्य होते हैं। इसे आप घर के मुख्य द्वार पर लगाएं। इसके लिए आपको एक लाल कपड़ा लेना है। इसके बाद इसे घर के द्वार पर लगाना है। इससे आपके घर में किसी तरह की कोई परेशानी नहीं आएगी।

▶ इन चीजों को घर में लगाने या रखने से आपके घर में नेगेटिव एनर्जी नहीं आएगी। साथ ही, आपके घर में सकारात्मकता बनी रहेगी। इससे आपके घर का वातावरण भी अच्छा रहेगा।

• होली पर्व...

फुलेरा दूज लाता है वैवाहिक जीवन में खुशियां

फाल्गुन माह की द्वितीया तिथि को फुलेरा दूज के रूप में मनाया जाता है। इस बार फुलेरा दूज 1 मार्च 2025 को मनायी जाएगी। यह दिन होली के आगमन का प्रतीक माना जाता है। इस दिन से होली के पर्व की तैयारियां आरंभ हो जाती हैं। इस दिन से उत्तर भारत के गांवो में जिस स्थान पर होली रखी जाती हैं, वहां पर प्रतीकात्मक रूप में उपले या फिर लकड़ी रख दी जाती हैं। कई जगहों पर इस दिन को उत्सव की तरह मनाया जाता है। इस दिन से लोग होली में चढ़ाने के लिए गोबर की गुलरियां भी बनाई जाती है।

पंचांग के अनुसार फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि 01 मार्च को रात्रि 03:16 मिनट से शुरू हो रही है और तिथि का समापन 02 मार्च को रात्रि 12:09 मिनट पर होगा। सनातन धर्म में उदया तिथि का विशेष महत्व है। इस प्रकार 01 मार्च को फुलेरा दूज का पर्व मनाया जाएगा।

फुलेरा दूज को अबूझ मुहूर्त माना जाता है, जिसका अर्थ है कि इस दिन विवाह के लिए किसी ज्योतिषीय गणना की आवश्यकता नहीं होती। यही कारण है कि इस दिन कई शादियां होती हैं।

शाब्दिक अर्थ में फुलेरा का अर्थ है फूल, जो फूलों को दर्शाता है। यह माना जाता है कि भगवान कृष्ण फूलों के साथ खेलते हैं और फुलेरा दूज की शुभ पूर्व संध्या पर होली के त्योहार में भाग लेते हैं। यह त्योहार लोगों के जीवन में खुशियां और उल्लास लाता है।

वहीं ज्योतिष शास्त्र में फुलेरा दूज को अबूझ मुहूर्त माना गया है, जिसमें इस दिन बिना मुहूर्त देखे सभी तरह के शुभ और मांगलिक कार्य किया जा सकता है। इस दिन भगवान कृष्ण और राधा जी की पूजा करने से वैवाहिक जीवन में प्रेम की बहार आती है और इस दिन शादी-विवाह करने पर भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद मिलता है।

फुलेरा दूज का शुभ मुहूर्त

द्वितीया तिथि आरंभ : 01 मार्च को रात्रि 03:16 मिनट से

द्वितीया तिथि समाप्त : 02 मार्च को रात्रि 12:09 मिनट पर

● ज्योतिष शास्त्र के अनुसार फुलेरा दूज को हिंदू शास्त्रों में बड़ा ही महत्वपूर्ण योग बताया है इसीलिए इस विशेष दिन सर्वाधिक विवाह समारोह भी संपन्न होते हैं। हिंदू पंचांग की मान्यता के अनुसार, फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि विवाह बंधन के लिए वर्ष का सर्वोत्तम दिन है। कहते हैं कि इस दिन विवाह करने से दंपति को भगवान कृष्ण का आशीर्वाद हासिल होता है।

● सर्दी के मौसम के बाद इसे शादियों के सीजन का अंतिम दिन माना जाता है। इस दिन रिकॉर्ड तोड़ शादियां होती हैं। इसका अर्थ है कि विवाह, संपत्ति की खरीद इत्यादि सभी प्रकार के शुभ कार्यों को करने के लिए दिन अत्यधिक पवित्र है।

● इस त्योहार को सबसे महत्वपूर्ण और शुभ दिनों में से एक माना जाता है। इस दिन किसी भी तरह के हानिकारक प्रभावों और दोषों से प्रभावित नहीं होता है और इसे अबूझ मुहूर्त माना जाता है। सर्दी के मौसम के बाद इसे शादियों के सीजन का अंतिम दिन माना जाता है। इसलिए इस दिन रिकॉर्ड तोड़ शादियां होती हैं।

जिस तिथि में कृष्ण और राधा ने फूलों की होली खेली वह फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि थी, इसीलिए इस तिथि को फुलेरा दूज कहा गया।

कृष्ण और राधा के मिलन की तिथि को अति शुभ माना जाता है और इसीलिए इस तिथि को विवाह करने वाले युगलों के बीच अपार स्नेह और दांपत्य का मजबूत रिश्ता बनता है...

● विवाह, संपत्ति की खरीद इत्यादि सभी प्रकार के शुभ कार्यों को करने के लिए दिन अत्यधिक पवित्र है। शुभ मुहूर्त पर विचार करने या किसी विशेष शुभ मुहूर्त को जानने के लिए पंडित से परामर्श करने की आवश्यकता नहीं है। उत्तर भारत के राज्यों में, ज्यादातर शादी समारोह फुलेरा दूज की पूर्व संध्या पर होते हैं। लोग आमतौर पर इस दिन को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए सबसे समृद्ध पाते हैं।

● जिस तिथि में कृष्ण और राधा ने फूलों की होली खेली वह फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि थी, इसीलिए इस तिथि को फुलेरा दूज कहा गया। कृष्ण और राधा के मिलन की तिथि को अति शुभ माना जाता है और इसीलिए इस तिथि को विवाह करने वाले युगलों के बीच अपार स्नेह और दांपत्य का मजबूत रिश्ता बनता है।

● इस दिन सबसे महत्वपूर्ण अनुष्ठान जो किया जाता है वह भगवान कृष्ण के साथ रंग-बिरंगे फूलों से होली खेलने का होता है।

● ब्रज क्षेत्र में, इस विशेष दिन पर, देवता के सम्मान में भव्य उत्सव होते हैं।

● मंदिरों को फूलों और रोशनी से सजाया जाता है और भगवान कृष्ण की मूर्ति को एक सजाये गए और रंगीन मंडप में रखा जाता है।

● रंगीन कपड़े का एक छोटा टुकड़ा भगवान कृष्ण की मूर्ति की कमर पर लगाया जाता है, जिसका प्रतीक है कि वह होली खेलने के लिए तैयार हैं।

● फुलेरा दूज के दिन भगवान श्रीकृष्ण के लिए स्पेशल भोग तैयार किया जाता है। जिसमें पोहा और अन्य विशेष व्यजंन शामिल हैं। भोजन पहले देवता को अर्पित किया जाता है और फिर प्रसाद के रूप में सभी भक्तों में वितरित किया जाता है।

● फुलेरा दूज पर ब्रज की समस्त गोपियों ने राधा-कृष्ण के प्रेम की खुशी में फूल बरसाए थे, इस कारण से इस त्योहार का महत्व होता है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने होली खेलने की परंपरा की शुरूआत की थी। फुलेरा दूज पर घरों को फूलों और रंगोली से सजाया जाता है। फुलेरा दूज का महत्व शादियों को लेकर है।

● होली से करीब पंद्रह दिन पहले शादियों का शुभ मुहूर्त समाप्त हो जाता है। जबकि फुलेरा दूज के दिन हर पल शुभ होता है। यह तिथि भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित होती है। वहीं फुलेरा दूज का शाब्दिक अर्थ फुलेरा का अर्थ है फूल, जो फूलों को दर्शाता है। यह माना जाता है। भगवान कृष्ण फूलों के साथ खेलते हैं और फुलेरा दूज की शुभ पूर्व संध्या पर होली के त्योहार में भाग लेते हैं।

● यह त्योहार लोगों के जीवन में खुशियां और उल्लास लाता है। वहीं वैवाहिक जीवन के लिहाज से ये दिन बहुत खास होता है और इस दिन बिना मुहूर्त के ही शादी-ब्याह संपन्न किए जाते हैं।

पौराणिक कथा के अनुसार व्यस्तता के चलते कृष्ण कई दिनों से राधा से मिलने वृंदावन नहीं आ रहे थे। राधा के दुखी होने पर उनके सहेलियां भी कृष्ण से रूठ गई थीं। राधा के उदास रहने के कारण मथुरा के वन सूखने लगे और पुष्प मुरझा गए। वनों की स्थिति देखकर कृष्ण को कारण पता चल गया और वह राधा से मिलने वृंदावन पहुंच गए।

श्रीकृष्ण के आने से राधा खुश हो गईं और चारों ओर फिर से हरियाली छा गई। कृष्ण ने एक खिल रहे पुष्प को तोड़ लिया और राधा को छेड़ने के लिए उनपर फेंक दिया। राधा ने भी ऐसा ही किया। यह देख वहां मौजूद ग्वाले और गोपिकाएं भी एक दूसरे पर फूल बरसाने लगीं। तब से आज भी प्रतिवर्ष मथुरा में फूलों की होली खेली जाती है।

■ पं. नित्यानंद

• पूजा-पाठ...

माता लक्ष्मी की कृपा

माता लक्ष्मी को धन, वैभव और धन-धान्य की देवी माना जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार जिस व्यक्ति पर माता लक्ष्मी की कृपा होती है, उन्हें जीवन में किसी भी चीज की कमी नहीं होती। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ चीजें ऐसी होती हैं, जिनकी ऊर्जा लक्ष्मी प्राप्ति के लिए काफी प्रभावशाली मानी जाती हैं। आप अगर इन चीजों को अपने पर्स में रखते हैं, तो आपको धन प्राप्ति होती है। आइए, जानते हैं लक्ष्मी प्राप्ति के लिए पर्स में किन चीजों को रखना चाहिए। भगवान कुबेर को धन का देवता माना जाता है। कुबेर यंत्र धन प्राप्ति के लिए बहुत शुभ होता है। इसे पर्स में रखने से धन और समृद्धि आती है। इसे पीले कपड़े में लपेटकर रखना चाहिए। कुबेर यंत्र रखने से व्यक्ति की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, पर्स में हल्दी लगे चावल रखने से धन बढ़ता है। चावल को समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, गुरुवार के दिन चावल पर हल्दी लगाकर इसे भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के सामने रखें। इसके बाद शुक्रवार के दिन हल्दी के दानों को अपने पर्स में रख लें। इससे धन वृद्धि होती है।

• भगवान गणेश...

ऐसी मान्यता है कि इस दिन भगवान गणेश की विधि विधान से पूजन आदि करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। हिंदू धर्म में सभी दिन के अलग-अलग नियम शास्त्रों में बताए गए हैं। बुधवार के दिन पश्चिम दिशा की तरफ यात्रा भूलकर भी नहीं करनी चाहिए। इस दिन इस दिशा में यात्रा करना अशुभ माना गया है। ईशान दिशा में दिशाशूल रहता है ऐसे में आपके लिए जरूरी है की आप तिल या धनिया का सेवन करके ही अपना घर से निकले।

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/संपादकः अनल पत्रवाल द्वारा गांव व डाकघर-रजियाणा, तहसील-नगरोटा बगवां, जिला-कांगड़ा-176056, हिमाचल प्रदेश से प्रकाशित एवं एजीएस पब्लिकेशन्स, डी-67, सेक्टर-6, नोएडा-201301, गौत्तम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश से मुद्रित